v/;k; 24

1	प्रार्थना

समूह का अगुवाः प्रार्थना के साथ आप परमेश्वर के लिए चेले बनाने वाले इस कोर्स व अपने समूह को परमेश्वर के हाथों में सौंप दें।

2	**बाँटना** (20 मिनट) (शान्त समय) रोमियों 13–16

आगे बढ़कर संक्षेप में **बताएं** (या अपने नोट्स में से पढ़ें) कि आपने शान्त समय के दौरान बाइबल के निर्धारित अनुच्छेद (रोमियों 13–16) से क्या सीखा।
अपने अनुभव का वर्णन करने वाले जन की सुनें, उसे गम्भीरता से लें तथा उसे स्वीकार करें। उसकी बातों पर चर्चा न करें।

3.	**याद करना** (20मिनट) (मसीह में नया जीवन) मसीह में नया जीवन के सन्दर्भ में वचनों का पुनरावलोकन

क. याद की गयी आयतों का पुनरावलोकन करने का तरीका

पहले से याद की गयी बाइबल की आयतों का पुनरावलोकन करने के निम्नलिखित भाग हैं:

1. पुनरावलोकन करना

पुनरावलोकन करने का अर्थ है कि जिन आयतों को रोज़ आपने याद किया था उनमें से 5 को फिर से दोहराएं। आयतों को बार बार दोहराना उसे याद करने व उसको सही उच्चारण करने का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए आप उन 5 आयतों को आने वाले 5 सप्ताहों में दिन में कम से कम एक बार जरूर दोहराऐं जिन्हे आपने सबसे अन्त में याद किया था। इस तरीके से आप बाइबल की हर एक नयी आयत को 'पुनः दोहराव ' प्रणाली में आने से पहले 35 बार दोहरा चुके होते हैं।

2 पुनः दोहराव प्रणाली।

पुनः दोहराव प्रणाली का अर्थ है कि आप पहले याद की गयी सारी आयतों को तीन सप्ताह में एक बार जरूर दोहराते हैं। पुनः दोहराव प्रणाली आपके द्वारा याद की गयी आयतों को याद रखने का सबसे बेहतर तरीका है। अतः 100 पहले याद की गयी आयतो में से, 5 आयतों को प्रत्येक दिन दोहराएं। अतः आप पहले से याद की गयी आयतों को 3 सप्ताह में एक बार पुनः दोहराते हैं।

3. साथ ले कर चलें।

कण्ठस्थ वचनों के कार्ड होल्डर या आयतों को लिखने वाली कॉपी को साथ में रखें। यात्रा के समय, या दिन में खाली समय को आयतें दोहराने, मनन करने तथा प्रार्थना करने के लिए इस्तेमाल करें। पहले याद की गयी 5 आयतों को फिर से दोहराएं। जिन आयतों को आपने पहले दोहराया था उन्हें फिर से दोहराएं। आयतों में लिखी बातों पर मनन करें तथा उसके अनुसार प्रार्थना करें।

4. मूल्यांकन करें।

एक दूसरे से यह जानने के लिए पूछें कि क्या अभी भी आप याद की गयी आयत को ठीक तरह से जानते हैं।
सामुहिक सभाओं के दौरान लोगों को दो–दो के समूह में बांट दें और आपस में एक दूसरे द्वारा सबसे आखिर में याद की गयी आयतों को जांचें। इसके अलावा कभी कभी,दो दो के समूह में बंटकर पहले याद की गयी 5 बाइबल की आयतों की श्रृंखला की भी जांच करें। एक दूसरे के साथ मिलकर जांचे कि क्या आपको उस आयत को शीर्षक, हवाला या बिना किसी गलती के वह पूरी आयत याद है। सकेंतक के रूप में, कभी आप शीर्षक, कभी हवाले या कभी बाइबल की आयत के पहले कुछ शब्द बता सकते हैं।

ख. " मसीह में नया जीवन श्रृंखला" को दो दो लोग मिलकर दोहराएं

1. मसीहः 2 कुरिन्थियों 5:17	4.संगतिः 1 यूहन्ना 1:7
2. वचन : मत्ती 4:4	5: गवाहीः मत्ती 10:32
3. प्रार्थनाः यूहन्ना 15:7	

4	**बाइबल अध्ययन** (70 मिनट) (सम्बन्ध) असमान जुआ– सम्बन्ध 2कुरिन्थियों 6:14–7:1

एक साथ मिलकर बाइबल अध्ययन के पाचं कदम वाले तरीके का इस्तेमाल करें तथा 2कुरिन्थियों 6:14–7:1 का अध्ययन करें।

कदम 1. पढें। **परमेश्वर का वचन**

पढ़ें। आइये हम 2कुरिन्थियों 6:14–7:1 को एक साथ **मिलकर पढ़ें**।
आइये हम बारी बारी करके तब तक एक एक आयत पढ़े जब तक निर्धारित आयतें खत्म न हो जाएं।

कदम 2. खोज। **पुनरावलोकन**

ध्यान दें । इस अनुच्छेद की कौन सी सच्चाई आपके लिए महत्वपूर्ण है?
या इस अनुच्छेद की कौन सी सच्चाई ने आपके मन या हृदय को छुआ?
लिखें। एक या दो बातों को लिखें जो आपकी समझ में आयी हों। उन बातों के बारे में विचार करें तथा उन विचारों को अपनी कॉपी में लिखें।
बांटें। (समूह के लोगों को दो मिनट सोचने व लिखने का समय प्रदान करने के बाद, अपने विचारों को व्यक्त करें। आइये हम एक दूसरे के साथ उन विचारों को बांटे जो हमने सीखा या समझा है।
(नीचे कुछ लोगों द्वारा अपने अनुभवों को बांटने के उदाहरणों को दिया है। याद रखें: प्रत्येक छोटे समूह में, समूह के सदस्य भिन्न भिन्न बातों को बांटेंगे, यह जरूरी नहीं है कि उनके भी अनुभव समान हों।)

6:14

खोज 1. मसीहियों को प्रत्येक समझौता करने वाली परिस्थिति समझौता करने वाले रिश्ते से तौबा करनी चाहिए।

''अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो' नये नियम की मूल भाषा में यह क्रिया वास्तव में कहती है 'कि अविश्वासियों के साथ असमान जुए में हमेशा के लिए जुते हुए न रहो। इसका कारण यह था कि कुरिन्थियों की कलीसिया के कुछ लोग अविश्वासियों के साथ असमान जूए में जुत गये थे। प्रेरित पॉलुस उन्हें आगे को अविश्वासियों के साथ किसी प्रकार का समझौता न करने की आज्ञा देता है। क्योंकि मैं हमेशा गैर मसीहियों के बीच में रहता हूँ, इसलिए मुझे अपने जीवन को परखने की ज़रूरत है कि कहीं मैं अपने जीवन के किसी क्षेत्र में गैर मसीहियों के साथ जुए में तो नहीं जुता हूँ। मुझे परिस्थितियों और रिश्तों में समझौता करने से रूकना होगा।

6:17

खोज 2. मसीहियों को रिश्तों में समझौता करने से मना किया गया हैं

''इसलिए प्रभु कहता है, उनके बीच में से निकल आओ और अलग रहो''। नये नियम की मूल भाषा में क्रिया वास्तव में कहती है कि 'तुम्हें अविश्वासियों में से तुरन्त बाहर निकल आना चाहिए और तुम्हें निश्चय ही अविश्वासियों से दूर हो जाना चाहिए।' एक बार फिर से इसकी वजह यह थी कि कुरिन्थियों की कलीसिया में कुछ लोग लगातार परिस्थितियों से समझौता कर रहे थे। पॉलुस उनसे हमेशा के लिए इन समझौता करने वाली परिस्थितियों से नाता तोड़ने के लिए कहता है। मसीही लोगों को निश्चित तौर पर कुछ रिश्ते बनाने तथा कुछ गतिविधियों में शामिल होने के लिए कहा गया है। क्योंकि मसीही लोग हमेशा गैर मसीहियों में रहते हैं, इसलिए मुझे मसीहियों को शिक्षा देना ज़रूरी है कि कौन से रिश्ते और गतिविधियों में शामिल होना मसीहियों के लिए निषेध हैं।

कदम 3. प्रश्न **वर्णन**

ध्यान दें: इस खण्ड के आधार पर आप समूह से कौन सा प्रश्न पूछना चाहेंगे?
आइये हम 2 कुरिन्थियों 6:14–7:1 में दिये गये सिद्धान्तों को समझने का प्रयास करें और उन बातों के बारे में प्रश्न पूछें जिनके बारे में हम अभी तक नहीं जानते हैं।
लिखें। अपने प्रश्नों को सम्भव स्पष्ट स्वरूप प्रदान करें। उसके पश्चात अपने प्रश्नों को अपनी कॉपी में लिखें।
बांटें(समूह के सदस्यों द्वारा दो मिनट तक विचार विमर्श करने करने तथा उन्हें लिखने के बाद, सभी लोगों को अपने प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान करें।
चर्चा करें। (फिर, उनमें से कुछ प्रश्नों को चुनकर, अपने समूह में चर्चा करते हुए उन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें)
(नीचे कुछ ऐसे प्रश्नों को व प्रश्नों के उत्तरों पर की गयी चर्चा को उदाहरण के तौर पर दिया गया है जिन्हें विद्यार्थी पूछ सकते हैं)

6:14

प्रश्न1. एक जुआ क्या होता है।

ध्यान दें। यहां पर जुए का अर्थ उस 'दोहरे–जुए' से है, जिसमें दो जानवर अलग बगल जोते जाते हैं। यह एक ऐसा औज़ार है जिसके द्वारा, जो जानवर एक साथ गठे रहते हैं, ताकि वे एक ही दिशा में चल सकें, एक जैसी हरकत कर सकें, एक गति के साथ चल सकें,एक साथ रूक सकें और सामान्य तौर पर सारे काम एक साथ कर सकें। यदि एक पशु सीधी रेखा से अलग चला जाता है तो दूसरा पशु अपने आप उसके साथ साथ खिंच जाएगा। यदि एक पशु धीमा हो जाता या रूक जाता है तो दूसरा भी धीमा होने या रूकने पर मज़बूर हो जाता है। यदि वे दो पशु दो अलग स्वामियों के चलाये चलने लगे तो वे एक दूसरे के साथ खींचा तानी करते हुए मिलेगें जिससे हर प्रकार के काम में बाधा उत्पन्न हो जाएगी।

पौलुस के दिमाग में व्यवस्थाविवरण 22:10 का वचन था जिसमें लिखा था " एक बैल और गधा दोनों संग जोतकर हल न चलाना।'' उसने इस सिद्धान्त को अपना कर यह समझाने के लिए इस्तेमाल किया कि मसीहियों को गैर मसीहियों के साथ असमान जुए में नहीं जुतना चाहिए। जिस मसीही को किसी गैर मसीही व्यक्ति के साथ जुए में जोत दिया गया है एक दिन यह जरूर महसूस करेगा कि वह गैर मसीही व्यक्ति उसे कैसे परमेश्वर की राह से दूर कर देता, उसकी उन्नति को मन्द कर देता और अन्त में उसे मज़बूर कर देता है कि वह परमेश्वर पर विश्वास न करे।

गैर विश्वासियों के साथ में साधारण रिश्ता होने व उनके साथ जुए में जुतने वाले रिश्ते में निम्नलिखित भिन्नताएं होती हैं:

- आप एक अविश्वासी ड्राइवर के साथ बस में यात्रा कर सकते हैं। आप एक अविश्वासी के द्वारा तैयार किये गए खाना को किसी होटल में खा सकते हैं। आप उस स्कूल में भी जा सकते हैं जहां पर आपको पढ़ाने वाला अध्यापक गैर मसीही हो। (हालाकि आप उसके द्वारा सिखाई जाने वाली हर बात पर विश्वास करने के लिए बाध्य नहीं हैं)। हो सकता है कि जहां आप नौकरी करते हैं वहां का स्वामी गैर मसीही हो(लेकिन आप उसकी सारी मांगों को पूरा करने के लिए मज़बूतर नहीं है)। आप चाहें तो किसी गैर विश्वासी के साथ व्यापार कर सकते हैं (जब तक कि आप बीच आपसी सहमती से बाइबल के सिद्धान्तों का उल्लंघन नहीं होता)।
- परन्तु जुए में जुतने वाला सम्बन्ध एक कानूनी रिश्ता होता है (विवाह या व्यापारिक भागीदारी)। जिसके तहत आप बाइबल के सिद्धान्तों को तोड़ने, गलत कामों को करने तथा गलत व्यवहार करने के लिए मज़बूर होते हैं।

6:14

प्रश्न 2 जिन असमान जुओं वाले रिश्तों के लिए बाइबल मना करती है उसके कुछ उदाहरण क्या है?

ध्यान दें।

1. 1 कुरिन्थियों 5:9–11 में असमान जुए का सम्बन्धं

''मैं ने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा है कि व्यभिचारियों की संगति न करना। यह नहीं कि तुम बिलकुल इस जगत के व्यभिचारियों, या लोभियों, या अन्धेर करने वालों, या मूर्ति पूजकों की संगति न करो; क्योंकि इस दशा में तो तुम्हें जगत में से निकल जाना ही पड़ता। पर मेरा कहना यह है कि यदि कोई भाई कहलाकर, व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्तिपूजक, या गाली देने वाला,या पियक्कड़, या अन्धेर करने वाला हो,तो उसकी संगति मत करना, वरन ऐसे मनुष्य के साथ खाना भी न खाना।

बाइबल कहती है कि ऐसे लोगों से कोई वास्ता न रखना जो मसीही कहलाते तो हैं परन्तु गैर मसीहियों के समान व्यवहार करते हैं। अतः मसीही जन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ ''सामाजिक असमान जुए '' में न जुते जो अपने आप को मसीही कहता तो हो पर उसके काम गैर मसीहियों के समान हों।

2. 1 कुरिन्थियों 6:1–8 में असमान जुए का सम्बन्ध

मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ। क्या सचमुच तुम में एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता, जो अपने भाईयों का निर्णय कर सके? तुम में भाई–भाई में मुकद्दमा होता है, और वह भी अविश्वासियों के सामने।

बाइबल आज्ञा देती है कि उन्हें अपने कानूनी मसले किसी गैर विश्वासी न्यायी के पास नहीं ले जाने चाहिए। यदि किसी मसीह का किसी दूसरे मसीह के साथ कोई वाद विवाद या झगड़ा हो तो वे मण्डली में से किसी बुद्धिमान मसीही के पास जाए और वह ही उनका न्याय करे। यदि किसी विवाद का हल न निकल पाये तो नुकसान उठाकर मामले को निर्णायक फैसले के लिए परमेश्वर के हाथों में सौप देना बेहतर है। इसलिए कोई मसीही किसी गैर मसीही व्यक्ति के साथ '' कानूनी असमान जुए ''में न जुते।

3. 1 कुरिन्थियों 7:39 में असमान जुए का सम्बन्ध।

''जब तक स्त्री का पति जीवित रहता है तब तक वह उससे बन्धी हुई है; परनतु यदि उसका पति मर जाए तो जिससे चाहे विवाह कर सकती है, परन्तु केवल प्रभु में।''

बाइबल मसीहियों को आदेश देती है वे केवल मसीही से ही विवाह करें। उस व्यक्ति को मसीही माना जाता है जो सच में परमेश्वर से जुड़ा हो अर्थात पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर उस में वास करता और उसके जीवन में उसकी अगुवाई करता हो। दूसरे शब्दों में एक विश्वासी वह जन है जिसने अपने आप को पूरी तरह से यीशु मसीह की प्रभुता के अधीन कर रखा हो।

2 कुरिन्थियों 6:14 साफ रीति से कहता है कि एक विश्वासी किसी गैर विश्वासी के साथ असमान जुए में न जोता जाए। एक मसीही केवल दूसरे मसीही से ही विवाह कर सकता है।

इस निष्कर्ष का सम्बन्ध उन स्त्री व पुरूष के खास रिश्ते से भी है जो विवाह को दिमाग में रखकर एक दूसरे के साथ मिलते हैं (जिसे कई संस्कृतियों में डेटिंग करना भी कहा जाता है)। असल में गैर मसीही व्यक्ति के साथ धनिष्ट मित्रता ही खतरनाक बात है। जब मित्र धनिष्ट हो जाते हैं तो वे अपने मन की गहन बातों व अपनी भावनाओं के साझा करते हैं और वे बातें उनके ज़हन में हमेशा के लिए बस जाती है। वे एक दूसरे पर निर्भर हो जाते तथा एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। लेकिन एक मसीही व गैर मसीही के बीच घनिष्ट रिश्ता एक असमान जुआ बन जाता है। मसीही जन, गैर मसीही की इच्छाओं, मूल्यों व लक्ष्यों से यूँ ही मुँह नहीं मोड़ सकता। वह गैर मसीही साथी के द्वारा सासांरिक अभिलाषाओं, अहमियत व लक्ष्यों की ओर खिचाव को महसूस करेगा। जो कुछ गैर मसीही विश्वास करता है उससे मसीही जन का विश्वास व व्यवहार प्रभावित होगा। क्योंकि विवाह को ध्यान में रखते हुए स्त्री व पुरूष के बीच में आगे बढ़ता हुआ रिश्ता बहुत मज़बूत व गहरा होता है, मसीही जन को गैर मसीही के साथ इस खास रिश्ते को बनाने के लिए मना किया गया है। बहुत से मसीही लोग कहते हैं, ''लेकिन यदि मैं उस गैर मसीही व्यक्ति से विवाह करता हूँ, तो मैं उसकी मसीह में अगुवाई कर सकता हूँ। क्या इससे परमेश्वर प्रसन्न न होंगे?'' नहीं परमेश्वर इससे बिलकुल प्रसन्न नहीं होगें, क्योंकि परमेश्वर ने 1 कुरिन्थियों 7:39 और 2 कुरिन्थियों 6:14 में इसे स्पष्ट तौर पर मना किया है। परमेश्वर यह भी कहता हैं ''क्या तुम जानते हो कि तुम उस व्यक्ति का उद्धार करा लोगे''? इसलिए एक मसीही किसी गैर मसीही के साथ ''असमान जुए में''या असमान मिलन के जुए'' में नहीं जुत सकता।

वह दिन बड़ा दुखदायी होगा जब आप किसी मानवीय सम्बन्ध के लिए यीशु मसीह के साथ सम्बन्ध को तोड़ देगें। यदि आपका गैर मसीही मित्र आपको प्रसन्न करने के लिए मसीही बनने का फैसला करता है या आपको प्रसन्न करने के लिए अधूरे हृदय से मसीह का अनुसरण करने का फैसला करना है तो कोई फायदा नहीं है। हालांकि परमेश्वर के लिए कोई भी काम असंभव नहीं है, फिर भी हमें बुद्धिमानी के साथ वह करना चाहिए जिसकी परमेश्वर ने हमें आज्ञाएं दी हैं। परमेश्वर ने हमें गैर–विश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतने की आज्ञा दी है, क्योंकि वह हमारी खुशी चाहते हैं।

(4) 1 कुरिन्थियों 10:1 के अनुसार असमान जुए का रिश्ता।

'' और न तुम मूर्तिपूजक बनो, जैसे की उनमें से कितने बन गये थे, जैसे लिखा है ''लोग खाने पीन बैठे और बुतपरस्ती करते हुए उठे।'

बाइबल मसीहियों को आज्ञा देती है कि वे गैर मसीहियों के साथ मूर्तिपूजा में भागीदार न बनें। ऐसी सभाओं में लोग मदहोश होकर आपे से बाहर हो जाते थे। लोग हद से ज्यादा खाते और हद से ज्यादा शराब पीते थे। इस प्रकार की पार्टियां गन्दे नृत्य, तेज संगीत,शोर व घटिया किस्म के मज़ाक से भरी रहती थीं(1 पतरस 4:3–5, इफिसियों 5:3–5)। लोगों ने मूर्तिपूजा, व्यभिचार किया। आज इस प्रकार की पार्टियों का आयोजन डिस्को व क्लबों में किया जाता है। इन जगहों पर कई लोग धूम्रपान, नशीले पदार्थो के सेवन व अनैतिक यौन सम्बन्धों में लिप्त होते हैं। अतः एक मसीही गैर –मसीहियों के साथ मिलकर इस प्रकार की'पार्टियों वाले असमान जुए में न जुतें'।

सारांश। अविश्वासियों के साथ गैर कानूनी जुए वाले रिश्ते, अविश्वासियों के साथ में वे सभी रिश्ते हैं जिसमें मसीहियों की संगति को बढ़ते हुए स्वीकार नहीं किया जा सकता। वे गैर विश्वासियों के साथ सभी से रिश्ते हैं जिनके तहत मसीही सिद्धान्तों में समझौता किया जाता है।

प्रश्न 3. अन्य किसी असमान जुओं के लिए मसीहियों को मना किया गया है?

ध्यान दें। असमान रिश्तों में जुतने की शिक्षा उन सारे क्षेत्रों के लिए लागू होती है जहां पर गैर मसीहियों के साथ धनिष्ठ सम्बन्ध शामिल होता है। उदाहरण के लिए:

(1) एक मसीही व्यक्ति को कि गैर मसीही के साथ व्यवसाय में भागीदार नहीं बनना चाहिए।

हो सकता है कि एक गैर मसीही व्यक्ति किसी मसीही को तब तक अपने यहां नौकरी दे दे, जब तक कि वह परमेश्वर द्वारा मना किये गये कामों को नहीं करता है। लेकिन एक मसीही व गैर मसीही जन के बीच भागीदारी एक गैर कानूनी या अवैध भागीदारी होगी,जिसमें दोनों पक्ष धन का निवेश करते हैं और जिसमें जिम्मेदारियां और निर्णय साझा होते हैं। इस प्रकार की परिस्थितियां में एक गैर मसीही घूस देने या लेने में या व्यापार में किसी को धोखा देने में विश्वास कर सकता है, जिससे की मसीही जन अपने आप उसके बुरे कामों को हिस्सा बन जाता है।

(2) एक मसीही स्कूल को गैर मसीही अध्यापिकाओं अपने स्कूल में नौकरी नहीं देनी चाहिए।

(3) एक मसीही को किसी ऐसी मण्डली का हिस्सा नहीं बनना चाहिए जो बाइबल पर आधारित न हो।

उसे किसी भी ऐसी मण्डली का हिस्सा नहीं बनना चाहिए जहां पर परमेश्वर के वचन को आदर नहीं दिया जाता हो या बाइबल के संदेश को स्पष्ट रूप में प्रचार या पालन न किया जाता हो। एक मसीही किसी भी ऐसे मसीही से सलाह न ले जो बाइबल पर भरोसा न करता हो और न बाइबल को मानवीय विचार व व्यवहार का आधार मानता हो।

(4) मसीही को किसी गैर मसीही के साथ ऐसे असमान जुए में नहीं जुत जाना चाहिए कि उसकी गतिविधिया आगे चलकार मसीही की आदत बन जाएं।

गैर मसीही मूल्यों व आदत पड़ने वाली गतिविधियां निम्नलिखित हैं: टी.वी में गलत तरह के कार्यक्रम देखना, गलत किताबों व पत्रिकाओं को पढ़ना, गलत क्लब में जाना, गलत पार्टियों व संगति में जाना इत्यादि। मसीही जन को किसी ऐसी गतिविधी से परे रहना चाहिए जो मसीही मूल्यों को निरस, घिसा पिटा साबित करने की कोशिश करती है और मसीही विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देती है, चाहे वे मसीही विरोधी धार्मिक गतिविधियां हों या मसीही विरोधी सामजिक या न्यायिक मूल्य या फिर कोई और मसीही विरोधी स्रोत हो।

6:15

प्रश्न 4 विश्वासियों की गैर विश्वासियों के साथ सामन्य चीज़ें क्या हैं?

ध्यान दें। कुछ बातें विश्वासियों और गैर विश्वासियों में सामान्य हैं। उदाहरण के लिए दोनों ही समान तरीके का भोजन करते हैं, समान तरीके के कपड़ें पहनते हैं, एक ही बस में सफर करते हैं और एक ही तरह मुद्रा का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अविश्वासियों में कुछ बात अलग होती है जिससे यीशु मसीह ने मसीहियों को अलग किया है। उदाहरण के तौर पर अविश्वासी का जीवन आत्म केन्द्रित होता है जबकि मसीही का जीवन यीशु मसीह पर केन्द्रित होता है। अविश्वासियों

का खज़ाना धरती पर है जबकि, विश्वासियों का खज़ाना स्वर्ग में है। गैर मसीहियों के लिए इस संसार की बदलती हुई वस्तुए अहमियत रखती है जबकि विश्वासी के लिए अटल परमेश्वर का राज्य अहमियत रखता है। अविश्वासी मनुष्य की महिमा को चाहता है जबकि विश्वासी जन परमेश्वर की महिमा की खोज करता है। अतः अगर देखा जाए तो जीवन के निर्देशन, जीवन के उददेश्य और जीवन के मूल्यों को देखा जाए तो विश्वासी और गैर विश्वासी में कोई भी चीज़ सामान्य नहीं है।

6:17

प्रश्न 5. यदि कोई विश्वासी अभी भी अपने जीवन के कई क्षेत्रों में गैर विश्वासियों के साथ असमान जुए में जुता हुआ है तो वह क्या करे?

ध्यान दें। उसे वही करना चाहिए जो 2 कुरिन्थियों 6:17 में लिखा है, ''उन में से बाहर निकल आओ को अलग रहो''। नकारात्मक आज्ञा है कि ''अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो''।

मसीहियों को गलत परिस्थिति को बदलने के लिए तुरन्त कदम उठाना चाहिए। मसीहियों को दूसरे मसीहियों के साथ समान जुए में जुतना और एक ही दिशा में आगे बढ़ना, विश्वास में एक दूसरे को प्रोत्साहित करना और मिलकर सेवा करना चाहिए। मसीहियों को विवाह, सेवा और सार्वजनिक तौर पर गवाही के लिए मसीही के साथ समान जुए में जुतना चाहिएं

7:1

प्रश्न 6. यदि किसी मसीही व्यक्ति पर गैर मसीही व्यक्ति के साथ गलत सम्बन्ध बनाने की वजह से नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो तो वह क्या करे?

ध्यान दें। मसीही को हमेशा के लिए अपने आप को शुद्ध कर लेना चाहिए अर्थात उसे उस विशेष पाप से रिश्ता तोड़ लेना चाहिए। उसे परमेश्वर के सामने अपने पापों को अंगीकार करके परमेश्वर से क्षमा व शुद्धि प्राप्त कर लेनी चाहिए (1यूहन्ना1:9)। वास्तव में मसीही जन को हर प्रकार अशुद्धता से चाहे वह आन्तरिक हो या बाहरी अपना रिश्ता तोड़ लेना चाहिए। हर एक बात जो उसकी देह व आत्मा को अशुद्ध करती है जिसका मतलब दैहिक रूप व आत्मिक रूप (1 कुरिन्थियों 7:34) शुद्ध होना चाहिए।

मसीहियों को परमेश्वर का भय मानते हुए लगातार पवित्रता में आगे बढ़ना चाहिए। प्रत्येक मसीही का लक्ष्य पवित्र बनना होना चाहिए (रोमियों 6:13,19; 1 थिस्लुनिकियों 4:3,7;5:23)।

कदम 4. उपयोग **इस्तेमाल**

ध्यान दें: इस अनुच्छेद का कौन सा सत्य मसीहियों के लिए सम्भवतः उपयोगी है?

बांटें व लिखें। आइये हम एक दूसरे के साथ विचार विमर्श करके 2कुरिन्थियों 6:14–7:1 के आधार पर इस्तेमाल में आने वाली बातों की एक सम्भावित सूची बनाएं।

ध्यान दें। इनमें से कौन सी उपयोगी बातें हैं जिन्हें परमेश्वर चाहते हैं कि आप उन्हें अपने व्यक्तिगत जीवन में इस्तेमाल करें?

लिखें। अपने व्यक्तिगत अनुभवों को अपनी कॉपी में लिखें। अपने व्यक्तिगत अनुभवों को बाटंने में स्वतन्त्र महसूस करें। (ध्यान रखें कि हर एक समूह में लोग अलग सच्चाईयों का इस्तेमाल करेंगे या उसी सच्चाई का अलग तरीके से इस्तेमाल करेंगे। सम्भावित इस्तेमाल की सूची निम्नलिखित है।)

1. 2कुरिन्थियों 6:14–7:1 से उपयोग की जाने वाली सम्भावित बातें।

- ऐसे व्यक्ति के साथ ''सामाजिक जुए' में न जुतें जो अपने आप को मसीही बताता हो, लेकिन उसका व्यवहार गैर मसीहियों के समान हो। किसी भी ऐसे व्यक्ति के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित न करें जो मसीही होने का दावा करता हो परन्तु उसका व्यवहार गैर मसीहियों के समान हो। केवल सच्चे मसीही के साथ ही गहन रिश्ता स्थापित करें।
- किसी गैर मसीही व्यक्ति के साथ 'कानूनी–जुए' में न जुतें। कभी भी अपने झगड़ों या विवाद को गैर मसीही व्यक्ति के सामने न सुलझाएं। अपना मसला केवल मसीही पुरनियों व बुद्धिमान मसीही व्यक्ति के सामने रखें।
- किसी गैर मसीही के साथ 'विवाह के जुए' या 'मिलन के जुए' में न जुतें। कभी भी गैर मसीही जन को विवाह को ध्यान में रखते हुए अधिक जानने के लिए घुमाने के लिए न लेकर जाएं। विवाह के सन्दर्भ में केवल मसीही लोगों के बारे में ही जानकारी हासिल करने का प्रयास करें।

- गैर मसीहियों के साथ में गन्दी पार्टियों के जुए में न जुतें। किसी गलत पार्टी में न जाएं। केवल ऐसी ही समाओं में शमिल हो जहां आपको मसीही सिद्धान्तो से समझौता न करना पड़े।
- गैर मसीहियों के साथ में व्यवसायिक जुए में न जुतें। किसी गैर विश्वासी के साथ किसी व्यापार में भागीदार न बनें।
- केवल ऐसी ही मण्डली का भाग बने जहा पर बाइबल के अटल सिद्धान्तों को स्पष्टता से प्रचार किया जाता और माना जाता हो।
- गैर मसीहियों के साथ आदत बनाने गतिविधियों व मूल्यों में भागीदार न बनें

2. 2 कुरिन्थियों 6:14–7:1 में पाये जाने वाले व्यक्तिगत तौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले तत्वों के उदाहरण ।

अविवाहित व्यक्ति। मैं खास तौर पर सतर्कता बरतूगां कि मैं विवाह के सम्बन्ध में जानकारी हासिल करने के लिए किसी सच्चे मसीही व्यक्ति के साथ ही जाऊँ। वह व्यक्ति निश्चित तौर पर यीशु मसीह को जानने तथा उससे प्रेम करने वाला होना चाहिए। मैं संकल्प करता हूँ कि विवाह को मद्देनज़र रखते हुए मैं कभी गैर मसीही के साथ बाहर नहीं जाऊँगा। 'विवाह' या 'मिलन' के सिलसिले में मैं कभी गैर मसीही के साथ असमान जुए में नहीं जुतूगां।

मैं खास तौर पर ध्यान रखूंगा कि मैं किस प्रकार की किताबों व पत्रिकाओं व समाचार पत्रों को पढ़ता हूँ। मैं गैर मसीही संसार की अभिलाषा,कल्पनाओं और मूल्यों द्वारा अपने विचारों और हृदय को अशुद्ध नहीं करना चाहता। आदतें बनाने वाली गतिविधियों के सन्दर्भ में मैं गैर मसीही संसार के असमान जुए में नहीं जुतूगां।

कदम 5. प्रार्थना **प्रतिउत्तर**

आइये 2 कुरिन्थियों 6:14–7:1 में परमेश्वर द्वारा सिखाए गये सत्यों के आधार पर प्रार्थना करें।
(जो कुछ आपने बाइबल अध्ययन के दौरान सीखा है, प्रार्थना में उसका प्रतिउत्तर दें। केवल एक या दो पक्तियों में प्रार्थना करना सीखें। याद रखें कि हर एक समूह में लोग अलग विषयों के लिए प्रार्थना करेंगे)

5	**प्रार्थना** (8मिनट)	(मध्यस्थता) दूसरों के लिए प्रार्थना करें

दो या तीन लोगों के समूह में **लगातार प्रार्थना करें।** एक दूसरे तथा संसार के अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करें।

6	**तैयारी** (2 मिनट)	(निर्धारित कार्य) अगले अध्याय के लिए

(**समूह का अगुवा** : समूह के सदस्यों को यह तैयारी गृह कार्य के रूप में लिखित तौर पर प्रदान करें या उन्हें डाउन लोड करने दें।)

1. सर्मपण: चेले बनाने के लिए समर्पित हों।

किसी दूसरे व्यक्ति या समूह के जन के साथ 2कुरिन्थियों 6:14–7:1 पर आधारित बाइबल अध्ययन को पढ़ें, सिखाये या प्रचार करें।

2. परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना। उत्पत्ति 1–4 तक रोज़ आधा अध्याय पढ़ते हुए परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताएं। पसन्दीदा सच्चाई के तरीके का इस्तेमाल करें। लिखें।
3. याद करना: श्रृंखला ' मसीह में नया जीवन 1–5' का पुनरावलोकन करें। प्रतिदिन बाइबल की 5 याद की गयी आयतों को दोहराएं।
4. प्रार्थना: किसी व्यक्ति या किसी विशेष बात के लिए प्रार्थना करें और देखें कि परमेश्वर क्या कर रहे हैं (भजन 5:3)

5- चेलों को बनाने के सम्बन्ध में अद्यावधिक बना कर रखें। आराधना के गीत, शिक्षा तथा तैयारी की सामग्री को भी लिख सकते हैं।